अवमोक्तृ 2.
अवम्य 6.
अवयवक्रोड, अवयवग्रन्थ, अवयवटिप्पणी und अवयवशिरोमणि 2.
अवयुति 4.
अवर्यु 1.
अवर I. 3. 6. *m. n. *eine best. hohe Zahl* Mahâvj. 246. fg.
*अवरगोदानीय Mahâvj. 154 fehlerhaft für अपर°.
*अवरचामर m. N. pr. eines Dvîpa Mahâvj. 154.
अवरतस् I. 2.
अवरभागीय Adj. *von niedriger Art* und zugleich *eine niedrige Wiedergeburt nach sich ziehend* Mahâvj. 109. Divjâvad. 533,24.
अवरुणद्ध्क्षीत 1.
अवरुणद्धि 5.
अवरुणद्धिम् 4.
अवरुद्धव 5.
अवरुधक 5 fehlerhaft für अवरोधक.
अवरुधम् und अवरुन्धम् 4.
अवरोधक I. 5. 2) f. °धिका Pl. *die Frauen im Harem* Çiç. 12,20.
2. अवरोधन I. 3.
अवरोधरक्षा f. *Haremswärterin* Dharmaçarmâbhj. 17,57.
°अवरोधिन् I. 1.
अवरोपणा I. 3.
अवर्णी und °शिका 2.
अवर्तिन् 5.
अवर्धमान I. 4.
अवर्षतर्क्य, Loc. *wenn kein Regen zu erwarten ist*, so v. a. *bei heiterem Himmel* Âpast. Gṛhj. 23,8. v. l. °तर्के wohl besser.
अवर्षिन् 1.
अवर्षिष्यत् 2.
अवर्ष्टास् 4.
अवर्ष्यु I. 1.
अवलगन 2.
अवलम्बक I. 1.
अवलम्बनक und अवलम्ब्य 1.
अवलित 5.
अवलीढ I. 5.
अवलुप्त 5.
अवलुप्ति 1.
अवलेखन 2) zu streichen; vgl. आव°.
अवलेपवत् 5.
अवलोकनक Adj. *eine schöne Aussicht gewährend* in der verdorbenen Stelle Divjâvad. 221,29.
अवलोकितलक्ष्मी 2.
अवलोप I. 5.
अवलोपन, अवल्गु und अवल्गुकारिन् 5.
अववर्तिन् I. 5.
अववाद I. 6.
अववादक m. *Prediger, Lehrer* Divjâvad. 48,26. 349,6. 385,8.
अवशर्धयितर् 3.
अवश्य 5.
अवश्यभागीयक Adj. *nothwendig, unvermeidlich* Divjâvad. 347,1.
अवश्ययातव्यता 4.
अवश्येन्द्रिय und अवष्टब्धत्व 6.
अवष्टम्भ I. 5.
*अवष्टम्भनता f. *das Sichstützen auf* (Loc.) Mahâvj. 192 (दण्डे ऽव° zu lesen).
अवसक्थिका I. 3.
अवसंडीन 2.
अवसथ I. 1.
अवसथिन् 1.
अवसभ I. 2.
अवसर I. 5.
अवसर्पिन् I. 1.
अवसाद auch *eine gedrückte, kummervolle Lage* R. ed. Bomb. 4,55,11. **Tadel, Demüthigung* Mahâvj. 132.
अवसादना f. *Herabsetzung, Erniedrigung, Demüthigung* Gâtakam. 31. Divjâvad. 490,5.
1. अवसान I. 3. 6.
अवसानपति 5.
*अवसारणा f. *Rehabilitation eines Mönchs* Mahâvj. 281.
अवसितार्थ I. 1.
अवसे 1.
अवस्कन्द I. MBh. 10,3,27.
अवस्कन्दन I. 5.
अवस्कन्दिन् I. 6.
अवस्कार m. = अवस्कर 3) Sâj. zu Ait. Br. 3,26,3. Vielleicht nur fehlerhaft.
अवस्तुपतित 3.
अवस्त्रद् und अवस्त्री 5.
अवस्थितिचापल I. 4.
अवस्नान 5.
अवस्फूर्ज 1.
अवस्युवात 5.
अवस्रंसन 3.
अवस्वदत् und अवस्वन्य 1.
अवस्वापनिका und °स्वापिनी 2.
अवहनन I. 1.
अवहत्त 5.
अवहसित 6.
अवहार und अवहारक I. 5.
अवहित्तव 1.
अवह्नि 5.
अवाक्शिरस्क 6.
अवाग्दुष्ट 5.
अवाय I. 2. 5.
अवाङ्य auch Âpast. Gṛhj. 11,16.
अवाङ्मुख I. 1.
अवाचंयम 5.
अवाचीनबिल 1.
अवाच्य I. 5.
अवाच्यवचनयुद्ध 1.
अवाञ्च् I. 5.
1. अवात I. 3.
अवातसत्य 3.
अवात्त 5.
अवात्तर I. 4.
अवात्तरदीक्षा 3.
अवात्तरप्रकृति 4.
अवाप्त, अवामन und अवारक 1.
अवारित 5.
अवारितद्वार und अवारितम् 1.
अवार्त 5.
अवार्यमाण Adj. *nicht zurückgehalten, ungehindert* R. ed. Bomb. 4,33,18.
अवालम्ब 5.
अवालेय I. 4.
अवास्तव 5.
अविक I. 6.
अविकच 5.
अविकत्थन I. 6.
अविकत्थिन् 5.
अविकम्पित 1.
अविकल I. f. आ Kathâs. 28,192.
अविकल्पक 5.
अविकल्पित 2.
अविकाङ्क्षा 5.
अविकार I. 5. *m. *ein best.* Samâdhi Mahâvj. 21.
अविकारवत् 4.
अविकारिन् I. 5.
अविकार्य 3.
अविकासभाव und अविकुण्ठ 5.
अविकूणित 2.
अविकृत I. 2.
अविकृति I. 4.
अविकृषित 5.
अविकृष्ट I. 1.
अविकोपित Adj. *ungestört, unbehelligt* Divjâvad. 61,22. 76,27. 475, 26. = प्रकृतिस्थ Mahâvj. 281,125 (zu verbessern).
2. अविक्रम, अविक्रमण und अविक्रय्य 5.
अविक्लिन्नाद्य 3.
अविक्लिष्ट Adj. *deutlich, verständlich* R. ed. Bomb. 4,19,10, v. l.
अविक्षिप्त und अविक्षोभ 1.
अविखण्डन n. *das Nichtverletzen, unverbrüchliches Halten* Gâtakam. 29,57.
अविखण्डित 2.
अविगणित Adj. *nicht in Betracht gezogen, nicht richtig erwogen* Gâtakam. 27,25. 23.
अविगलित 2.
अविगान I. 3.
2. अविग्रह, 2. अविघात und अविघ्नतस् 5.
अविचक्षण und अविचल I. 5.
अविचलत् 1.
2. अविचार und अविचार्य I. 5.
अविचेष्टत् 2.
अविच्युत 1.
अविज्ञानक 5.
*अविज्ञप्ति f. *das Nichtzuerkennengeben, Nichtäusserung* (einer Regung) Mahâvj. 101.
अविज्ञातप्रायश्चित्त 6.
अवितथ I. 1. 5.
अवितथवाच् 6.
अवितरण 5.
अवितर्क I. 5.
अवितर्कपत् 1.
अवितर्कित 2.
अवितान 5.
अवितृप्त 2. 3.
अवितृप्तक, अवितृष् und °तृष 5.
अवित्रस्त 2.
अविद् 5.